[This question paper contains 4 printed pages.]

7096A *Your Roll No.* .....

M.A./IV Sem. **A**

BUDDHIST STUDIES – Paper BS–402 (A)

Pali Vamsa Literature

(Admissions of 2009 and onwards)

Time : 3 hours *Maximum Marks : 70*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer **all** *the questions.*

सभी *प्रश्नों का उत्तर दीजिए।*

1. Discuss the origin and development of *Pāli Vaṃsa* Literature. (20)

पालि वंस साहित्य का उद्भव व विकास का विवेचन कीजिए।

OR (अथवा)

P.T.O.

Critically analyse the contents of Pathama Paricchedo of Sāsananavaṃsa.

सासनवंस के प्रथम परिच्छेद की विषयवस्तु का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

2. Write an essay on the content of 'Tatiya Paricchedo' of Mahāvaṃsa. (20)

महावंस के *ततिय परिच्छेद* की विषय-वस्तु पर एक निबंध लिखिए।

OR (अथवा)

Examine the difference between Mahāvaṃsa and Dipavaṃsa.

महवंस और दीपवंस के अंतर का परीक्षण कीजिए।

3. *Dipavaṃsa* is full of literary blemishes. Examine the statement with proper examples. (15)

दीपवंस साहित्यिक दृष्टि से दोषपूर्ण ग्रन्थ है। इस कथन का उदाहरण सहित परीक्षण कीजिए।

OR (अथवा)

Discuss the role of *Dipavaṃsa* and *Mahāvaṃsa* towards reconstituting ancient history of India and Srilanka.

भारत और श्रीलंका के प्राचीन इतिहास के पुनर्निर्माण में दीपवंस और महावंस की भूमिका का विवेचन कीजिए।

4. Translate any **three** verses into *English* or *Hindi*. (15)

(i) Porāṇehi kato peso ativitthārito kvāci.
Atīva Kvāci saṇkito anekapunarūttako.

(ii) Vajjitaṃ tehi dosehi sukhaggahaṇadhāranaṃ
Pasādasaṅvegakaraṃ sutito ca upāgataṃ

(iii) Pūretvā pāramī sabbā patva sambodhimuttamaṃ
uttamo gotamo Buddho satte dukkhāpamocayi.

(iv) Dīpamkaraṃ hi sambuddhaṃ passitvā no jino purā.
lokaṃ dukkhā pamocetuṃ bodhāya paṇdhim akā.

(v) Magadhesūruvelāyaṃ bodhimūle mahāmuni,
Vesākhpuṇṇamāyaṃ se patto sambodhimutamaṃ

(vi) Tato vārāṅasiyaṃ gantvā, dhammacakkaṃ pavattayi
Tattha vassaṃ vasanto, ca sattiṃ arahataṃ akā.

किन्हीं तीन गाथाओं का अंग्रेजी या हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

(i) पोराणेहि कतो पेसां अतिवित्थारितो क्वाचि।
अतीव क्वाचि संङ्कितो अनेकपुनरूतको ।।

(ii) वज्जितं तेहि दोसेहि सुखग्गहणधारयं।
पसादसंवेगकरं सुतितो च उपागतं ।।

P.T.O.

(iii) पुरेत्वा पारमी सब्बा पत्वा सम्बोधिमुत्तमं ।
उत्तमो गोतमो बुद्धो सत्ते दुक्खा पमोचि ।।

(iv) दीपङ्कर हि सम्बुद्धं पस्सित्वा नो जिनो पुरा ।
लोकं दुक्खा पमोचेतुं बोधाय पणिधिं अका ।।

(v) मगधेसूरूवेलायं बोधिमूले महामुनि,
वेसाखपुण्णमायं से पत्तो सम्बोधिमुत्तमं ।

(vi) ततो वाराणसिं गन्तवा धम्मचक्कं पवत्तयि,
तत्थ वस्सं वसन्तो च सट्ठिं अरहतं अका ।